राजीव दासोत
भारतीय पुलिस सेवा

महानिदेशक, गृह रक्षा
राजस्थान, जयपुर

संदेश

गृह रक्षा के 57 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य के इस विशाल स्वयं सेवी संगठन के सभी अधिकारियों,कर्मचारियों एवं स्वयं सेवकों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ तथा बधाई प्रेषित करता हूँ।

गृह रक्षा संगठन की स्थापना 6 दिसम्बर 1962 मे की गई थी। **''निष्काम सेवा''** के ध्येय वाक्य पर आधारित इस संगठन की बढती हुई उपयोगिता व लोकप्रियता के कारण आज यह राज्य का सबसे बडा सरकारी स्वयं सेवी संगठन है, जिसके वर्तमान मे लगभग 30,700 स्वयं सेवक स्वीकृत हैं।

एक ओर गृह रक्षा स्वयं सेवकों ने प्रशासन एवं पुलिस के साथ मिलकर आन्तरिक सुरक्षा तथा कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने मे महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों मे सुरक्षा ड्यूटी देते हुए अपनी योग्यता का परिचय दिया है, साथ ही दूसरी ओर इन स्वयं सेवको ने राज्य मे एवं राज्य से बाहर अन्य राज्यों यथा हरियाणा, दिल्ली, तेलंगाना, उत्तराखण्ड मे लोक सभा/विधान सभा चुनावों मे पुलिस के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर पूर्ण लगन एवं उत्साह के साथ अपनी ड्यूटी देते हुए शान्तिपूर्वक ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने मे प्रशासन को सहयोग प्रदान किया है, जिसकी समय–समय पर विभिन्न राज्यों द्वारा भूरि–भूरि सराहना की गयी है।

राज्य सरकार ने अनेक विभागों जैसे कि **जेल विभाग, खनिज विभाग, राजस्थान उच्च न्यायालय, आकाशवाणी, सुपर थर्मल पावर प्लांट, केयर्न ऐनर्जी** आदि की सुरक्षा का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व विभाग को देकर स्वयं सेवको की कार्य कुशलता पर अपना विश्वास जताया है जिससे समाज मे विभाग की छवि एवं महत्ता बढी है।

महानिदेशक, गृह रक्षा कार्यालय, जलेब चौक, जयपुर – 302002
टैलीफैक्स – (0141) 2605525 (का) 2709292 (नि.)
E-mail : dg.cdhg.rj @nic.in

Scanned by CamScanner

वर्तमान मे आंतकवादी गतिविधियों को ध्यान मे रखते हुए मैं इस अवसर पर संगठन के सभी अधिकारीगण, कर्मचारियों तथा विशेष रूप से स्वयं सेवकों का आव्हान करता हूँ कि वे अपने सैक्टर्स में संदिग्ध गतिविधियो पर सतत् रूप से विशेष निगरानी रखें। इससे देश की आन्तरिक सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द तथा राष्ट्रीय एकता बनाये रखने मे योगदान मिलता है। मैं यह भी आव्हान करता हूँ कि प्राकृतिक आपदाओं व आकस्मिक घटित दुर्घटनाओं के समय गृह रक्षा के स्वयं सेवक आगे आकर आम नागरिकों की सहायता मे जूटें, साथ ही सरकार के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान व पर्यावरण से जुडे कार्यक्रमों मे सक्रिय योगदान दें। इसी ध्येय से हम संगठन की मूल अवधारणा–**''निष्काम सेवा''** को साकार कर पायेगे।

मुझे पूर्ण आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि कठिन परिश्रम एवं अनुशासन मे रह कर हम कानून एवं व्यवस्था ड्यूटी के साथ अन्य महत्वपूर्ण ड्युटियों में संगठन की दक्षता एवं उपयोगिता बढाने के लिये सतत् रूप से प्रयासरत रहेंगे।"

गृह रक्षा स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मैं पुनः आप सभी को हार्दिक शुभकामनाऐं एवं बहुत–बहुत बधाई देता हूँ।

''जय हिन्द''

(राजीव दासोत)

Scanned by CamScanner